Dainik Bhaskar (Indore), 11th November 2020, Page-4 (DD-2)

आईआईटी की प्रवेश प्रक्रिया पूरी; 360 में से 75 सीटों पर छात्राओं को प्रवेश

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देशभर के आईआईटी में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आईआईटी इंदौर की पांच ब्रांच की 360 सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। इसमें से करीब 20 फीसदी यानी 75 सीटों पर छात्राओं को प्रवेश मिला। जॉइंट सीट अलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) के काउंसलिंग कार्यक्रम के अनुसार आईआईटी में सीट पा चुके छात्रों को सोमवार तक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करवाकर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना था। काउंसलिंग कार्यक्रम अनुसार अब छात्र केवल एनआईटी सहित दूसरे कॉलेजों में ही प्रवेश ले सकेंगे।

तीन साल से 20% लड़कियों को एडमिशन

केंद्र सरकार ने आईआईटी में लड़कियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश संस्थानों को दिए हैं। कम से कम 14 फीसदी सीटों पर लड़कियों को प्रवेश देना अनिवार्य है। आईआईटी इंदौर तीन साल से लगातार 14 के मुकाबले 20 फीसदी सीटों पर लड़कियों को प्रवेश दे रहा है। आईआईटी से मिली जानकारी के अनुसार मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल ब्रांच में सर्वाधिक 18-18 सीटें लड़कियों के लिए आरक्षित थीं। कंप्यूटर साइंस में 17 तथा सिविल और मेटलर्जिकल में 11-11 सीटें लड़कियों के लिए आरक्षित थीं। इन सीटों के अलावा आईआईटी ने 40 अन्य सीटों पर भी लड़कियों को प्रवेश दिया है।

अब तक की श्रेष्ठ ओपनिंग रैंक मिली

पिछले साल के मुकाबले इस बार आईआईटी इंदौर की ओपनिंग रैंक में सुधार आया है। काउंसलिंग के पहले राउंड के आधार पर देखें तो पिछले साल आईआईटी की कंप्यूटर साइंस ब्रांच की पहली सीट ऑल इंडिया रैंक-640 वाले छात्र को मिली थी, वहीं इस बार ये सीट एआईआर-582 वाले छात्र को अलॉट हुई है। इलेक्ट्रिकल ब्रांच की ओपनिंग रैंक इस साल 2237 रही है। आईआईटी इंदौर ने इस साल आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की आरक्षित सीटों पर भी प्रवेश दिए हैं।